हिन्दी सेवी सम्मान पुरस्कार समारोह के अवसर पर राष्ट्रपति जी का संबोधन

14 सितम्बर, 2006

प्यारे दोस्तो,

नमस्कार।

हिन्दी सेवी सम्मान पाने वाले सभी विद्वानों को मैं बधाई देता हूँ। आपकी मेहनत और निष्ठा ने हिन्दी को देश-विदेश में एक लोकप्रिय भाषा बनाया। भारत और विदेशों में हिन्दी के प्रचार के लिए आपके समर्पित और अमूल्य योगदान ने ही आपको इस पुरस्कार का हकदार बनाया है।

हिन्दी आज भारत के अनेक क्षेत्रों में बोली व समझी जाती है। इसका श्रेय हिन्दी साहित्य, संगीत, सिनेमा और टी.वी. सीरियल्स को दिया जा सकता है। भारत में विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों और भाषाओं का मिश्रण देखने को मिलता है और हिन्दी भाषा में इन सब को एक सूत्र में जोड़ने की क्षमता है।

मुझे बताया गया है कि एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत भारत आने वाले विदेशी छात्र, हिन्दी सीखने में विशेष रुचि लेते हैं।

हिन्दी सीखने के लिए विश्व भर से विद्यार्थी संस्थान के पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेते हैं। संस्थान का कार्यक्षेत्र भी देश की सीमाएं लांघकर श्रीलंका, अफगानिस्तान, मारिशस तक पहुंच गया है। इस उपलब्धि के लिए मैं संस्थान को बधाई देता हूँ।

मैंने अपनी विदेश यात्राओं के दौरान, विशेषकर रूस, उक्रेन और बुल्गेरिया के लोगों में हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति विशेष उत्साह देखा।

हिन्दी के प्रचार-प्रसार में तेजी लाने की जरूरत है। इसके लिए अन्य भाषाओं के सर्वोत्तम साहित्य का हिन्दी भाषा में अनुवाद उपलब्ध करवाना होगा। उदाहरण के लिए, ज्ञानपीठ पुरस्कार ट्रस्ट विभिन्न भारतीय भाषाओं में लिखे श्रेष्ठ साहित्य के लेखकों को पुरस्कार देता है। अभी तक ट्रस्ट ने 16 भारतीय भाषाओं में लिखे गए साहित्य को पुरस्कृत किया है। यह साहित्य हिन्दी में उपलब्ध करवाया जा सकता है। हिन्दी को उदार बनकर अन्य भाषाओं व बोलियों के शब्द ग्रहण करने होंगे ताकि हिन्दी भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सके। केन्द्रीय हिन्दी संस्थान ये दोनों कार्य कर सकता है।

यहां उपस्थित विद्वानों को मैं दो सुझाव दूंगा:

1. विश्व के अनेक हिस्सों में हिन्दी भाषा आसानी से बोली जा सके इसके लिए इन्टरनेट पर हिन्दी साहित्य का यूनिकोड स्वरूप उपलब्ध करवाना होगा।

2. आप सब हिन्दी भाषा और अन्य भारतीय भाषाओं में तालमेल बैठाने का प्रयास करें। अर्थात आपको अन्य भारतीय भाषाओं की श्रेष्ठ कविताओं, श्रेष्ठ पुस्तकों और श्रेष्ठ साहित्य पर बातचीत, चर्चा और लेखन करना चाहिए।

आप सबको मेरी शुभकामनाएं।

ईश्वर की आप सब पर कृपा रहे।